एमडी संदीप सिंघल को मिली पीएचडी की उपाधि

- परिवारों के साथ लाभ साझा करना विषय पर किया शोध

भास्कर समाचार सेवा

एमडी संदीप सिंघल को पीएचडी की उपाधि प्रदान करते राज्यपाल।

देहरादून। युनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज में आयोजित दीक्षांत समारोह में यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप सिंघल को राज्यपाल गुरमीत सिंह की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। सिंघल को यह उपाधि उनके द्वारा उत्तराखंड में जलविद्युत विकास को गति प्रदान करने के लिए परियोजना प्रभावित परिवारों के साथ लाभ साझा करना विषय पर सफलतापूर्वक शोध संपन्न करने पर प्रदान की गई। संदीप सिंघल ने बताया कि उत्तराखंड के आर्थिक एवं संरचनात्मक विकास में जल विद्युत परियोजनाएं विशिष्ट भूमिका निभा रही हैं।

परियोजनाओं के समय से पूर्ण होने से राज्य न केवल विद्युत के क्षेत्र में सशक्त होता है अपितु राज्य को राजस्व का लाभ भी मिलता है। परियोजनाओं के समय से निर्माण पूर्ण होने में स्थानीय तथा परियोजना प्रभावित जनता का सहयोग महत्वपूर्ण होता है तथा निर्माण के साथ ही परिचालन की अवधि में भी स्थानीय जनमानस तथा कार्यदायी संस्था के मध्य बेहतरीन समन्वय इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सिंघल ने कहा कि परियोजना प्रभावित परिवारों के साथ समन्वय के महत्व को देखते हुए ही उन्होंने अपने शोध हेतु इस महत्वपूर्ण विषय को चुना।

प्रबंध निदेशक संदीप सिंघल को जल विद्युत से संबंधित विषय पर पीएचडी उपाधि प्राप्त होने पर यूजेवीएन लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हर्ष प्रकट करते हुए उन्हें बधाई दी।

सिंघल का शोध निश्चित ही यूजेवीएन लिमिटेड की निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय से पूर्ण करने में सहयोगी होगा।

ऊर्जा से भरी युवा पीढ़ी का हमे करना है निर्माणः राज्यपाल

- यूपीईएस के 21वे दीक्षांत समारोह में छात्रों को प्रदान की गई डिग्रियां

भास्कर समाचार सेवा

यूपीईएस के छात्रों को डिग्रियां प्रदान करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

देहरादून। यूपीईएस ने अपने 21वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान 2,656 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गई। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राज्यपाल ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में आने वाले 25 साल बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन 25 सालों में हमें ऊर्जा से भरी एक युवा पीढ़ी का निर्माण करना है। एक ऐसी पीढ़ी जो रिसर्च एवं नए-नए इनोवेशन के लिए लालायित हों जो साइंस से लेकर स्पोर्ट्स तक हर क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करें। ऐसी पीढ़ी जो 21वीं सदी के भारत की आवश्यकताओं को समझते हुए अपना सामर्थ्य बढ़ाएं और कर्तव्य बोध से भरी हो। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के सफल नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि देश में सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से विकास में अभूतपूर्व तेजी आई है। सभी क्षेत्रों में विकास की इस लहर से देश में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन सभी अभूतपूर्व कार्यों के बूते 2047 में आजादी के 100 साल पूरा करने पर जब पूरा देश जश्न मनायेगा, तो निःसंदेह तब तक भारत विकसित राष्ट्र एवं विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त कर लेगा।अकादमिक वर्ष 2022-23 के दौरान छात्रों के बेहतरीन कार्यों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान 15 स्वर्ण पदक, 61 रजत पदक, सीसीई ग्रेजुएट्स को 6 सिल्वर प्लेट और 24 प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए।

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टैक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ मॉडर्न मीडिया में सभी छात्रों का यानी 100 फीसदी प्लेसमेंट हुआ और अधिकतम पैकेज 36 लाख रुपये प्रति वर्ष का रहा। दीक्षांत समारोह में वाइस चांसलर यूपीईएस डॉ. राम शर्मा ने कहा कि हमें अपने दूरदर्शी अकादमिक विशेषज्ञों, प्रोफेसरों, छात्रों, शोधार्थियों और बदलाव लाने वालों की शानदार उपलब्धियों पर बेहद गर्व है जो बढ़-चढ़कर अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए बिना थके काम करते हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को अवसर बनाएंगे और उज्ज्वल भविष्य को आकार देने की दिशा में अपनी इच्छाओं के हिसाब से आगे बढ़ेंगे। यूपीईएस को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सटी रैंकिंग्स 2024 द्वारा अकादमिक प्रतिष्ठा के हिसाब से नंबर एक प्राइवेट यूनिवर्सटी की रैंकिंग दी गई है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड रैंकिंग्स 2024 के मुताबिक, यूपीईएस को भारत के निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में 9वीं रैंकिंग मिली है।

यूपीईएस टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष 150 संस्थानों में शामिल है। इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के शीर्ष 400 संस्थानों में और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के शीर्ष 500 संस्थानों में यूपीईएस शामिल है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. शरद मेहरा ने बताया की किस प्रकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यूपीईएस समाज के अंतिम व्यक्ति तक उच्च शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयासरत है जिसकी राज्यपाल ने सराहना की। कार्यक्रम के अवसर पर कुलाधिपति डॉ. सुनील राय एवं विश्वविद्यालय के प्रो. और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।